

अशून्य वि. (तत्.) 1. शून्यरहित, शून्यतर 2. जो सूना न हो 3. पूर्ण, पूरा 4. अरिक्त, भरा।

अशून्यावस्था स्त्री. (तत्.) शून्यता या जड़ता का अभाव, बुद्धि का स्थिर हो जाना, वह अवस्था जब बुद्धि स्वयं पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लेती है और मन को भटकने नहीं देती।

अशृंगिक वि. (तत्.) बिना सींग वाला (प्राणी) जैसे- कुत्ता, बिल्ली, खरगोश आदि।

अशेष वि. (तत्.) 1. जिसमें कुछ शेष ना हो, पूरा, समग्र, समूचा 2. समाप्त, संपन्न।

अशोक वि. (तत्.) शोकरहित, शोकमुक्त, दुःखशून्य
पुं. (तत्.) 1. एक वृक्ष का नाम 2. एक मौर्यवंशी सम्राट्।

अशोक वाटिका स्त्री. (तत्.) अशोक वृक्षों से युक्त (लंका स्थित) वाटिका (विशेषतः जिसमें रावण ने सीता को रखा था)।

अशोकारि पुं. (तत्.) [अशोक+अरि] कदंब का वृक्ष।

अशोकाष्टमी स्त्री. (तत्.) चैत्र शुक्ल पक्ष की अष्टमी।

अशोच पुं. (तत्.) 1. शोक का अभाव, चिंतामुक्ति 2. शांति 3. विनम्रता।

अशोध्य वि. (तत्.) शोक न करने योग्य, अचिंत्य।

अशोधित वि. (तत्.) 1. शोधन किए बिना, साफ किए बिना, मल हटाए बिना 2. गलतियाँ ठीक किए बिना।

अशोध्य वि. (तत्.) 1. जिसका शोधन न हो सके, जिसे शुद्ध न किया जा सके 2. जिस (ऋण) को चुकाया न जा सके, वसूल न हो सकने वाला ऋण 3. (हानि) जिसे पूरा करना अत्यधिक कठिन हो, अपूरणीय।

अशोध्य ऋण पुं. (तत्.) वह ऋण, जिसके वापस मिलने की संभावना न हो।

अशोभन वि. (तत्.) भद्दा, असुंदर, अभद्र, सुंदर न लगने वाला।

अशोभनीय वि. (तत्.) जो सुंदर न लगे, जो शोभनीय न हो बिलो. शोभनीय।

अशौच पुं. (तत्.) 1. अशुचिता, अपवित्रता, अशुद्धता, मैलापन, गंदगी 2. जन्म और मरण का सूतक, स्त्री की रजस्वला अवस्था की स्थिति जिससे उसे अस्पृश्य माना जाता है, हिंदू शास्त्रानुसार अशौच की विशेष अवस्था।

अश्क पुं. (फा.) आँसू, अश्रु।

अश्म पुं. (तत्.) 1. पत्थर, चकमक पत्थर 2. बज्र।

अश्म-उल्का पुं. (तत्.) भूवि. एक प्रकार का उल्का पिंड जो सामान्यतः सिलिकेट्स का बना होता है इसमें पत्थर या लौहकणों की बहुलता होती है।

अश्म-कुट्ट वि. (तत्.) पत्थरों से कुचला हुआ या पत्थर की शिला या खरल पर कूटा हुआ (पदार्थ) पुं. केवल उपर्युक्त प्रकार का अन्न खाने के नियम वाला संन्यासी।

अश्मगर्भ पुं. (तत्.) मरकत, पन्ना।

अश्मज पुं. (तत्.) 1. लोहा 2. गेरु 3. नलों आदि के जोड़ कर लगाया जाने वाला लसीला पदार्थ।

अश्मजतु पुं. (तत्.) शिलाजीत।

अश्मजाति स्त्री. (तत्.) पन्ना।

अश्मन पुं. (तत्.) जैव पदार्थों का प्रस्तर में रूपांतरित होने का प्रक्रम, अश्मीभवन, जीवाश्मीभवन।

अश्म-मुद्रण पुं. (तत्.) एक विशिष्ट कला जिसमें विशेष प्रकार के चूना-पत्थर पर चिपकने वाली स्याही लगाकर छपाई की जाती थी, शिला-मुद्रण lithography

अश्मर वि. (तत्.) पथरीला, पत्थर संबंधी।

अश्मरी स्त्री. (तत्.) दे. पथरी, पथरी नामक मूत्र रोग।